मोस्ट पोपुलर

'आधार' ने बना दी बात, बिछड़े बच्चों को मिल गए उनके मम्मी-पापा

LIVE BIHAR DESK : आधार कार्ड ने खुद को भारत का मजबूत 'आधार' साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। केन्द्र सरकार लगातार आधार को सशक्त बनाने में जुटी है। आधार के जरिए सरकार भ्रष्टाचार पर वार कर रही है। पर इसी आधार कार्ड ने और भी कई कमाल दिखाए हैं उनमें से एक आपको बताते हैं।

जी हां आधार ने घर से बिछड़े नौ बच्चों को उनके मां-बाप तक पहुंचा दिया है। देश के कई हिस्सों से भटक कर ये बच्चे छपरा पहुंच गए थे और बाल गृह में जीवन काट रहे थे। लेकिन आधार ने बात बना दी है इन्हें अपनों से मुलाकात करवा दी है।

छपरा बाल गृह में गुरुवार को जश् सरीखा माहौल था। यहां से एक साथ 9 बच्चों को विदाई दी गई और इन बच्चों को लेने उनके परिवार वाले मौजूद थे। बच्चों के लिए इससे बड़ी खुशी क्या थी कि उनके बिछड़े मां-बाप मिल गए थे। कुछ समय पहले किसी को उम्मीद नहीं था कि इन बच्चों को उनके परिजन मिलेंगे लेकिन आधार कार्ड ने इन बच्चों के जिंदगी को एक नया रास्ता दिया और इनको वापस वहां पहुंचा दिया जहां इन्हें होना चाहिए था।

दरअसल, बाल गृह में रह रहे 9 बच्चों को आधार कार्ड बनाने के क्रम में पता चला कि इनके पास पहले से आधार कार्ड है जिसमें इनका पूरा पता अंकित है। इसके बाद आधार कार्ड के अधिकारियों से संपर्क किया गया और इनके पूरे डिटेल्स को प्राप्त कर परिजनों तक पहुंचा गया।

इस खास मौके पर बच्चों को परिजनों को सौंपने के लिए समाज कल्याण विभाग के निदेशक राजकुमार भी छपरा पहुंचे और आधार कार्ड की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

लंबे समय बाद अपने बच्चों को देख परिजनों की आंखों में आंसू छलक आए और बच्चे भी अपने परिजनों से कुछ इस तरह लिपट गए कि फिर कभी दूर ना हो। अपने बच्चों को वापस पाने की उम्मीद खो चुके परिजनों के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था जो आधार कार्ड ने कर दिखाया।